>

Title : Need to extend the benefits of Narmada Project to the drought

affected regions of Patan Parliamentary Constituency in Gujarat.

श्री जगदीश ठाकोर (पाटन): गुजरात की नर्मदा परियोजना विश्व की सबसे बड़ी सिंचाई परियोजनाओं में से एक है। नर्मदा प्रोजेक्ट गुजरात के लोगों के जीवन से जुड़ा पहलू है। इस योजना का मूल उद्देश्य अकालग्रस्त क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा, लोगों का जीवनस्तर तथा किसानों का आर्थिक उत्थान था, किन्तु मेरे निर्वाचन क्षेत्र पाटन के अंतर्गत आने वाले राधनपुर, सोतलपुर, समिहारीण के ब्लॉक, उत्तर गुजरात के मेहसाना, बनासकांठा के अकालग्रस्त क्षेत्रों में इस परियोजना का कोई लाभ नहीं मिल रहा है क्योंकि नर्मदा से संबंधित छोटी, मझोली नहरों का निर्माण कार्य आज तक नहीं हो सका है। जो अकालग्रस्त क्षेत्र थे, वे ज्यों के त्यों हैं। इन क्षेत्रों में पीने के पानी, मवेशियों के चारे, कृषि सिंचाई की स्थिति दिन प्रति दिन बद से बदतर होती जा रही है।

इसके अतिरिक्त गुजरात के 18 लाख हेक्टेअर कृषि भूमि को सिंचाई का लाभ मिलने का प्रावधान था किन्तु अभी तक यह योजना अपने उद्देश्य से बहुत दूर है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि इस परियोजना में हो रही देरी धनहानि, श्रमहानि को ध्यान में रख केन्द्र और राज्य सरकार के जनप्रतिनिधि, सत्ता एवं विपक्ष की एक कमेटी का गठन किया जाए जिससे देरी के कारणों की समीक्षा हो एवं केन्द्र व राज्य सरकार के विभागों में समन्वय हो तथा परियोजना एक तय निश्चित समय में पूर्ण हो जिसका लाभ अकालग्रस्त क्षेत्र के अतिरिक्त निकट राज्यों को भी हो सके।